Diploma in Karmakand : Vaidika Paurohitya

IInd Semester (द्वितीय सेमेस्टर)

यज्ञ-विज्ञान

DVP-C203

[Total Marks : 100 = External 70+ Internal 30]

नोट- यह प्रश्नपत्र पाँच यूनिटों में विभक्त है। जिनमें से लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई (Unit)-I	वेदी निर्माण - कुण्ड निर्माण पद्धति
इकाई (Unit)-II	यज्ञीय पात्र - पात्रों का सामान्य परिचय
इकाई (Unit)-III	यज्ञीय पदार्थ- गोघृत, ऋतु अनुकूल सामग्री(सुगन्धित, मिष्ट, पुष्टिकारक, औषधीय)
इकाई (Unit)-IV	रोग-चिकित्सा –मानसिक और शारीरिक(आधि-व्याधि), चिकित्सा का सामान्य परिचय, रोगोपयोगी यज्ञ-सामग्री का परिचय
इकाई (Unit)-V	पुत्रेष्टि, अतिवृष्टि और अनावृष्टि यज्ञ

सहायक ग्रन्थ-

- आर्यपर्व पद्धति – भवानीप्रसाद, हिन्डोन सिटी राजस्थान।
- यज्ञविमर्श – प्रो. रामप्रकाश , अनीता आर्ष प्रकाशन, पानीपत, हरियाणा।
- देवयज्ञ- फुन्दनलाल अग्निहोत्री, परोपकारी सभा, अजमेर, राजस्थान।
- यज्ञ-चिकित्सा - फुन्दनलाल अग्निहोत्री
- यज्ञ-विज्ञान – श्रीराम शर्मा (कासगंज , एटा), अमर स्वामी प्रकाशन विभाग गाजियाबाद
- यज्ञ-चिकित्सा – ब्रह्मवर्चस् शान्तिकुञ्ज हरिद्वार।
- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- वैदिक संग्रहालयीयम्- वेद मन्दिर गुरुकुल कांगड़ी वि.वि. हरिद्वा।